नेहरू बाल पुस्तकालय

बालगीत

प्रत्यूष गुलेरी

चित्रांकन

अभिषेक कुमार

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

नील गगन पर चमकें तारे

नील गगन पर [illegible]
सुंदर सुंदर [illegible] ॥

भाता इनको आना जाना।
आंख झपकते झट छिप जाना ॥

कभी दीख[illegible]
लगते कर[illegible] ॥

आंगन में हम खाट बिछाए।
देखा करते दूध नहाए ॥

चंदा के संग [illegible]।
सर्दी गर्मी [illegible]हते रहत[illegible] ॥

कठिन बड़ा है इनको गिनना।
इनसे न हो सकता मिलना ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

जाड़ा बुरा है मेरे भाई

बूढ़ों पर सच आफत ... ।
जाड़ा बुरा है मेरे ... ॥

मन लगता न ... ।
दुश्मन खाना ... ॥

दांत घड़ी से टिक ...
आग मिले सुख ... सांसें भरते ॥

ठिठुर ठिठुर दम टूट रहा है।
जाड़ा तन मन लूट रहा है ॥

धूप खिले तो दौड़े आएं।
मुट्ठी भर तन को गरमाएं ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

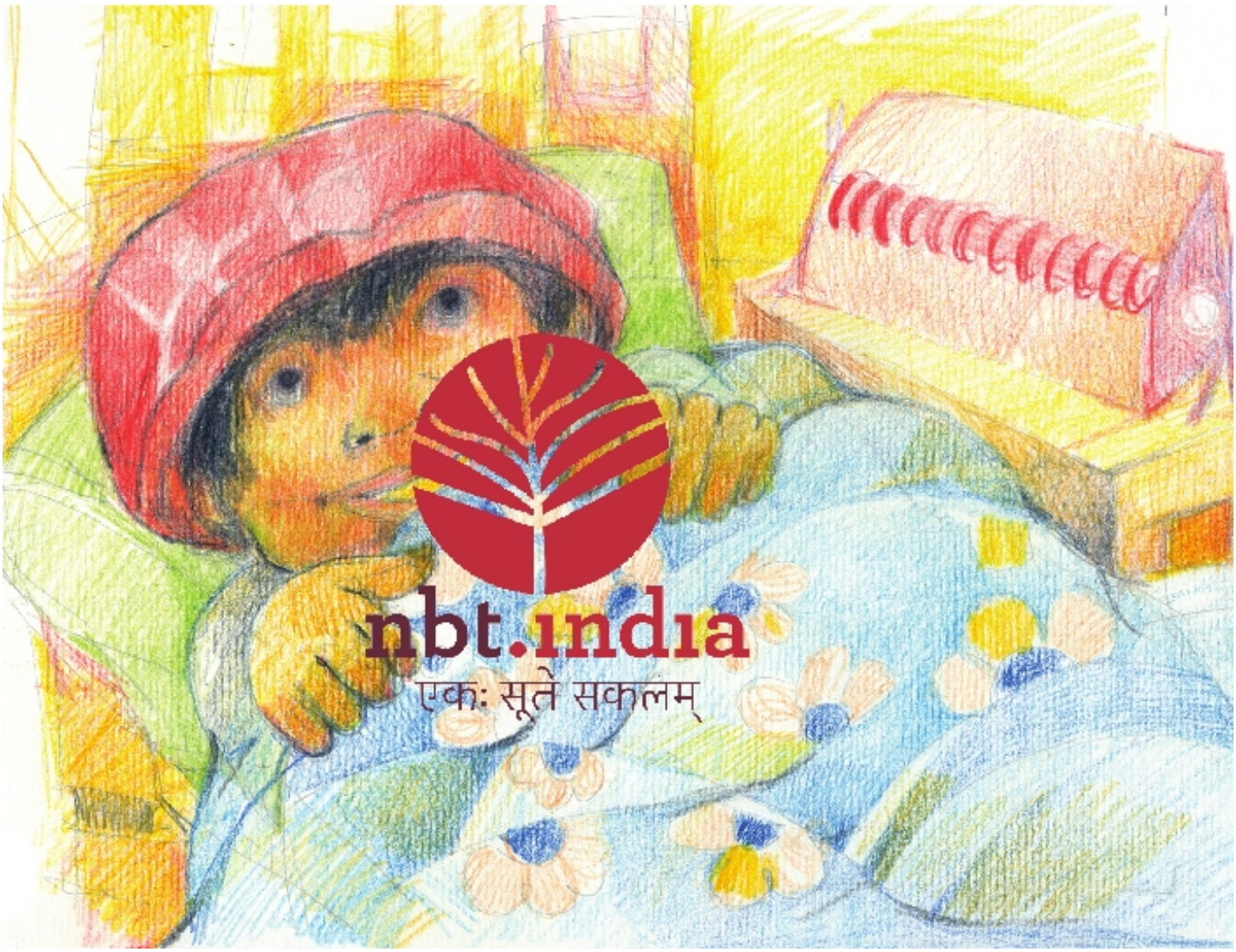
nbt.india
एकः सूते सकलम्

बरसो बदरा

उमड़ उमड़ कर [illegible] गाएंगे मस्ती का गाना।
बच्चे खुशी [illegible] आज हमें है खूब नहाना॥

बरसो बदर[illegible] चुन्नू दौड़े भागे आओ।
तौबा करे [illegible] कागज की नौका ले लाओ॥

हम बच्चों की [illegible] पार लगाएं अपनी नौका।
पानी से भर [illegible] यह [illegible] आज मिला है ऐसा मौका॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एक सूत्र संकलम्

बरसात के दिन

महीने बीते बीते
फिर लौटे बर

घना अंधेरा
बादल पानी

छम-छम पानी
नहीं पपीहा

मेंढक भी टर्राएंगे।
गाज बाज से गाएंगे॥

सरद हवाएं आएंगी।
सबका मन बहलाएंगी॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

बादल छाए

उमड़ उमड़ कर [illegible] कब से हम थे कितना तरसे।
शोर मचाते [illegible] मेघा राजा तुम ना बरसे ॥

टोली की [illegible] कहती मेरी बूढ़ी नानी।
घर आंगन [illegible] बरसेगा धरती पर पानी ॥

सब गाएं मस्ती [illegible] तैराएं कागज की नौका।
भूले बच्चे [illegible] ठिकाना [illegible] दे बदरा हमको यह मौका ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

चंदा मामा

मंटू जब भी खिड़की [illegible]
लगता चंदा कु[illegible]

चलना मेरा [illegible]
चंदा मामा न[illegible] ॥

जीवन में तुम ब[illegible] ।
पर्वत टीले च[illegible]ना सीखा ॥

सबसे मीठा शीतल बोलो ।
जो बोलो उसको तुम तोलो ॥

जो संकट से लेता टक्कर ।
उसको मिलती चूरी शक्कर ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

बरसे पानी

गरजे बादल घम
बरसे पानी

दिल कर
मम्मी के
गीत खुशी
पापा भूलें सारे

चुन्नू मुन्नू तुम भी आओ
आओ मिलकर ताल बनाओ
छप छप पानी खूब गिराओ
वर्षा जाए कहीं न थम।

कुछ ठंडी लग सकती है
दांत घड़ी बज सकती है
दुनिया भी हंस सकती है
देना तुम दम खम।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

सूरज

जल देता है गर्मी दे[illegible]
दुनिया से कुछ [illegible]

समता का है [illegible]
घर घर में उ[illegible] ॥

जीव जंतु भी इस [illegible]।
सागर नदियां [illegible]एं निर्झर ॥

जग का तम है दूर मिटाता।
बदरा में जा झट छुप जाता ॥

जब निकले घर चमके मेरा।
सूरज करता नया सवेरा ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india

पाजी कौआ

कौआ कां कां [illegible]
नहीं किसी [illegible] है।

उड़ता है [illegible]।
रोटी की [illegible]।

कौए का रं[illegible]।
किसने इस पर डाला है॥

बच्चो! उड़ाओ ताली से।
रोटी खा गया थाली से॥

एक आंख का काना है।
पाजी सबने माना है॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

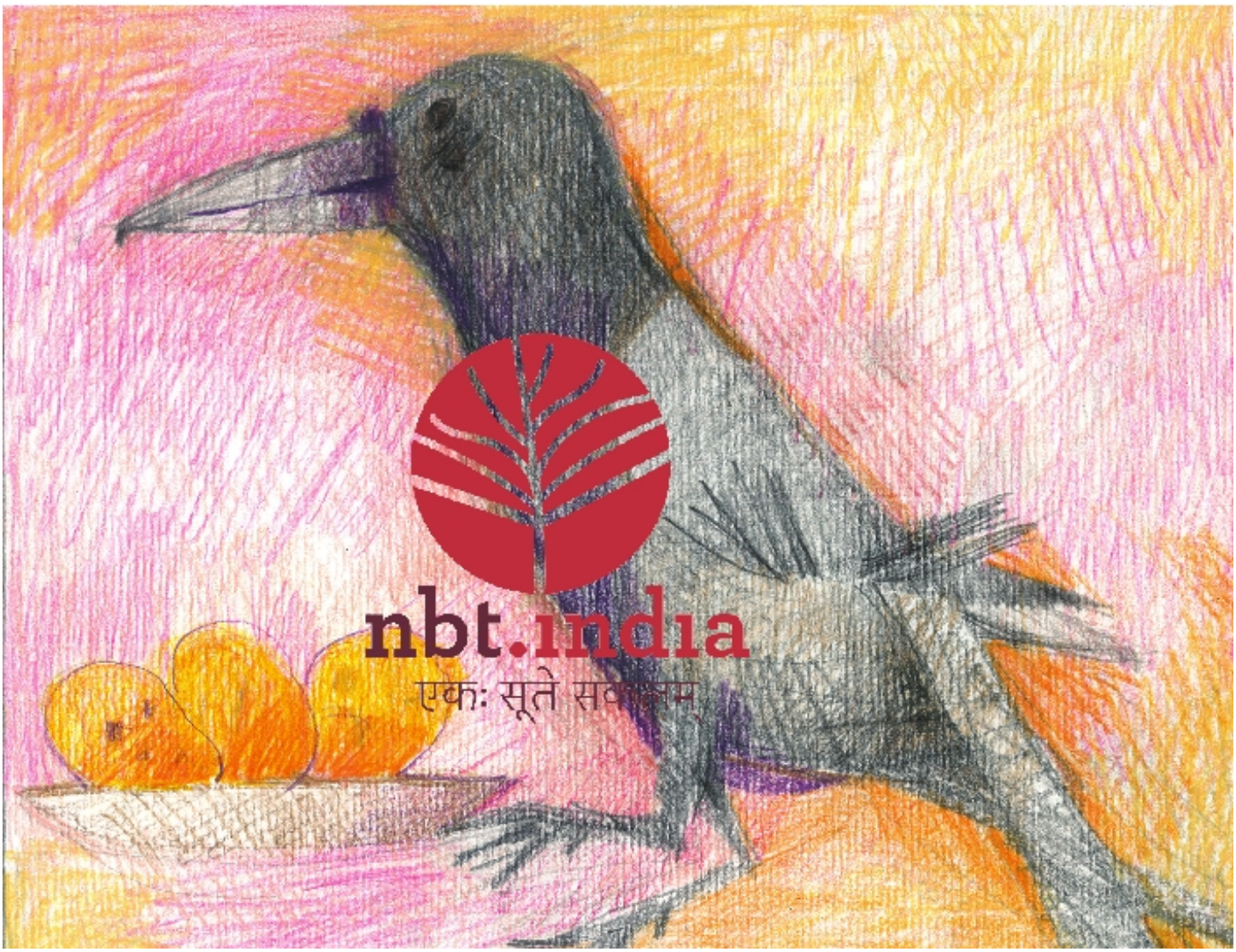
nbt.india
एकः सूते सकलम्

बिल्ली मौसी

बिल्ली आई बिल्[illegible]
डर से दुबके [illegible]

इधर उधर [illegible]
कूं कूं करके [illegible] ॥

शोर मचाते ब[illegible]
मौसी तू क्यों चूहे खा[illegible]

हमने रखी दूध मलाई।
आज नहीं है घर में ताई ॥

संग हमारे खेलो खेल।
चलो बनाएं प्यारी रेल ॥

रेल का इंजन तुम बन जाओ।
प्यारी मौसी मान भी जाओ ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

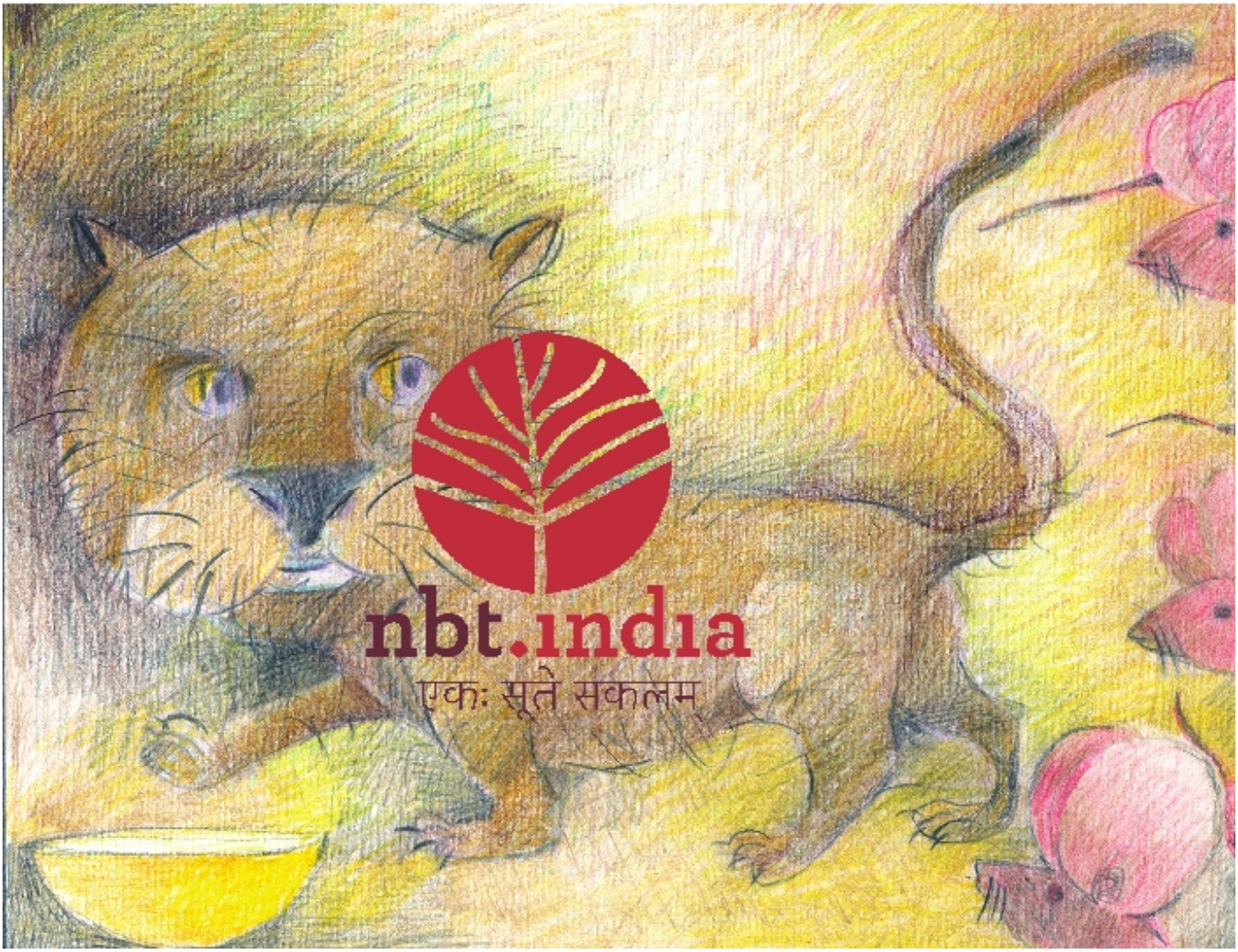
nbt.india
एकः सूते सकलम्

पिल्ला एक पिताजी लाए

खुशी से सोनू न[illegible]
पिल्ला एक [illegible]
बिस्तर और खिलौने लाऊं।
आज तो अपने साथ सुलाऊं ॥

बच्चों की [illegible]
सब कहें य[illegible]
दितु लगी सबको समझाने।
रख दो इसको अभी ठिकाने ॥

मीनू दूध कटो[illegible]
बिस्कुट ले[illegible] चीनू [illegible]
तब इसको हम अच्छा मानें।
मालिक दुश्मन सब पहचाने ॥

अम्म[illegible]
जैकी रख [illegible] ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

तितली

फूल फूल पर उड़ती [illegible]
रंग बिरंगी पी[illegible] ॥

सुंदर अपने [illegible]
बच्चों का है [illegible] ॥

पीली तितली [illegible]
सुब्बू उसके पीछे भागा ॥

नन्ही [illegible]
सुब्बू पकड़ [illegible] आई ॥

कापी में रख उसे दबाया।
मारी तितली रहम न आया ॥

पापा ने देखा तो डांटा।
"खाएगी तू मुझसे चांटा ॥

आगे से मत तितली छूना।
पाप लगेगा दिन दिन दूना" ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम

बात पते की

बात पते की कहते नान
चुन्नू मुन्नू अव्वल
जब पढ़े तुम पूरा
याद किए हैं सभी
इम्तहान से मत घ
चुन्नू मुन्नू अव्वल आ

मन लगाकर पढ़ जाओगे
खुशियां जीवन में पाओगे
नकल बुरी है कहते नाना
चुन्नू मुन्नू अव्वल आना ॥

मेहनत रंग दिखाती अपना।
पूरा होता सोचा सपना ॥
देश तुम्हीं को है चमकाना।
चुन्नू मुन्नू अव्वल आना ॥

सद् संगत में अगर रहोगे।
संकट से भी नहीं डरोगे ॥
मानेगा फिर बात जमाना।
चुन्नू मुन्नू अव्वल आना ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

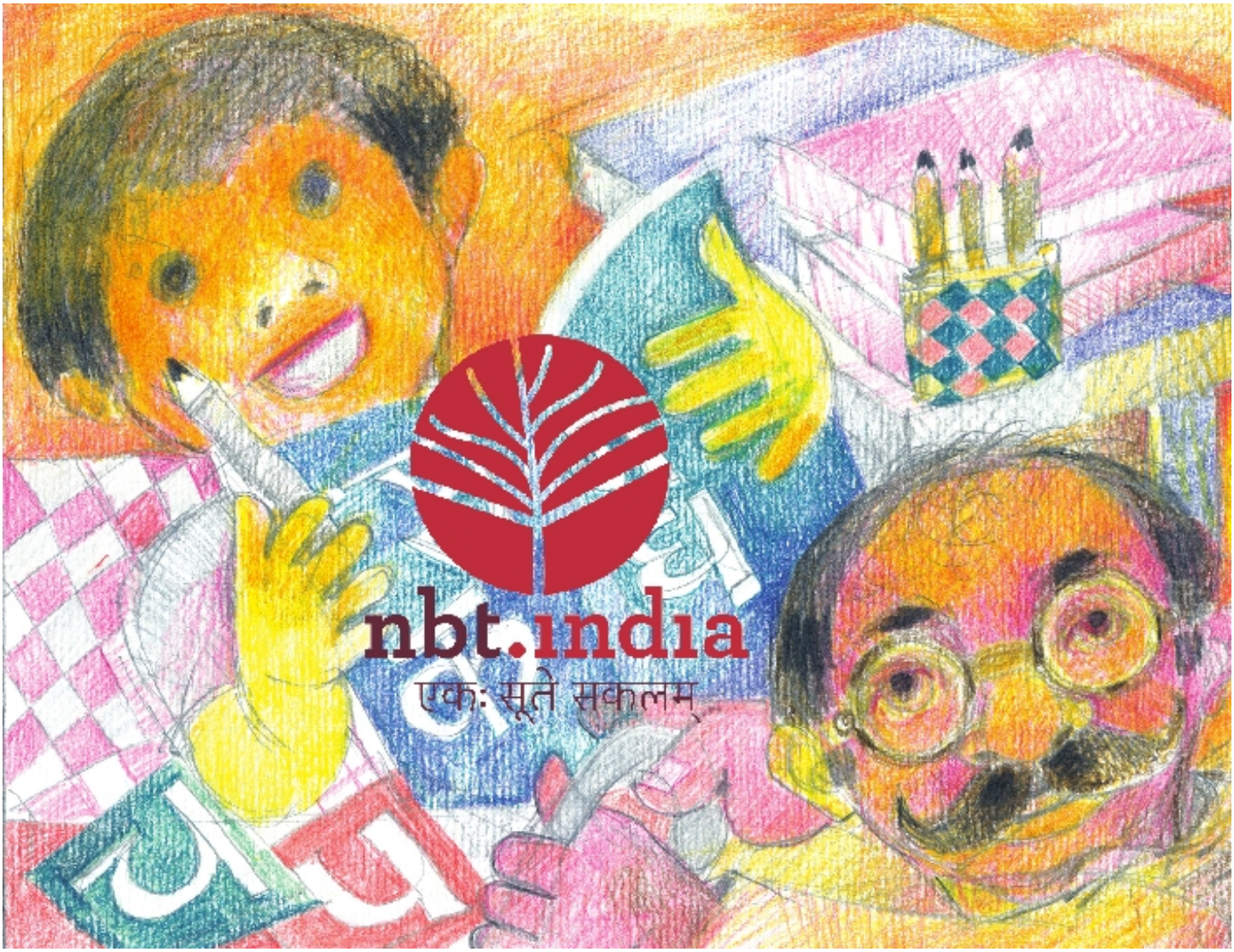
nbt.india
एकः सूते सकलम्

वीर बनो

वीर बनो तुम धीर [illegible] मान बनो और शान बनो।
भारत की तक[illegible] तुम भारत वीर जवान बनो॥

सज्जन और [illegible] तुम सब के सब इक प्राण बनो।
गुणवंत बनो [illegible] कोई सुंदर मंगल गान बनो॥

तुम हर किसी [illegible]
तुम नए कवि [illegible] गीत [illegible]॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एक: सूते सकलम्

मुन्ना

मुन्ना बहुत [illegible] है।
नानी मां [illegible] ॥

नानी इ[illegible] है।
लड्डू खू[illegible] खिला[illegible] है ॥

मुख चूमे य[illegible]
काम करे शैतानी का ॥

दौड़ा भागा पानी को।
पकड़ नचाया नानी को ॥

नानी कुछ शरमाती है।
मुन्ना! मुन्ना! गाती है ॥

नानी इतना फूल गई।
नाना का दुख भूल गई ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

मेला

ढोल नगाड़े बजे [illegible]
यहीं लगा है मे[illegible]

घोड़ा चढ़ो [illegible]
जात-पात का [illegible]

गहनों का भरपू[illegible]
खिलौनों से ब[illegible]ार सजा [illegible]

सोनू मो[illegible]
चाट पकौड़ी [illegible]

चीख रहा मोटू हलवाई।
घर ले जाओ स्वाद मिठाई॥

सब कुछ आज लुटा सस्ते में।
खाना सब रहा बस्ते में॥

मेले में जब मिल जाते।
बच्चों के मन खिल जाते॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

पर्व प्रेम का

गुड़िया कहती आओ [illegible]
मैं सुंदर सी रा[illegible]

एक साल में [illegible]
मुझको मेरा [illegible]

मां को अभी बुल[illegible]
उसने थाली [illegible] सजाई ॥

मस्तक [illegible]
मुख में लड्डू [illegible]

पर्व स्नेह का यह कहलाता।
हम दोनों का पक्का नाता ॥

आजीवन हम एक रहेंगे।
सुख दुख दोनों साथ सहेंगे ॥

भैया मुझसे इतना कहना।
गुड़िया मेरी प्यारी बहना ॥

[illegible] दोनों गले मिलेंगे।
फूल की भांति संग खिलेंगे ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

रजिया चली बाजार

रजिया बेटी चली [illegible]
घोड़े पर है आ[illegible]

कपड़ों के हैं [illegible]
सुंदर पहने इ[illegible]

देखे इधर उधर [illegible]
घोड़े की मदम[illegible] है चा[illegible]

'पापा! [illegible]
दिल कर आया [illegible] आम' ।

आमों के थे ऊंचे दाम।
उसने लिया कलेजा थाम ॥

पापा बोले 'बिटिया रानी।
टॉफी खाकर पी लो पानी ॥

बढ़िया खूब खिलौने ले लो।
घर में चलकर जी भर खेलो' ॥

[illegible]जिया 'पापा आओ।
[illegible]ांझ ढली अब घर पहुंचाओ' ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

छुट्टी में

दादी का संदेश [illegible] है
सोनू आना [illegible]
दिल करता [illegible]
मन बहला[illegible]
बातें आक[illegible]
मुझे सुनाना [illegible]
मन मेरे में [illegible] फू[illegible]
आम[illegible] ॥
मोनू आया बानू आया।
सन्नी भी तो आएगा ॥
मिल करके तुम सारे भाई।
गीत सुनाना छुट्टी में ॥
नावें और जहाज बनाना।
रेल चलाना छुट्टी में ॥
राजू को भी लिख भेजा है।
गिरिजा राधा को भी लाए ॥
[illegible] है मुंह फुलाया।
उसे मनाना छुट्टी में ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

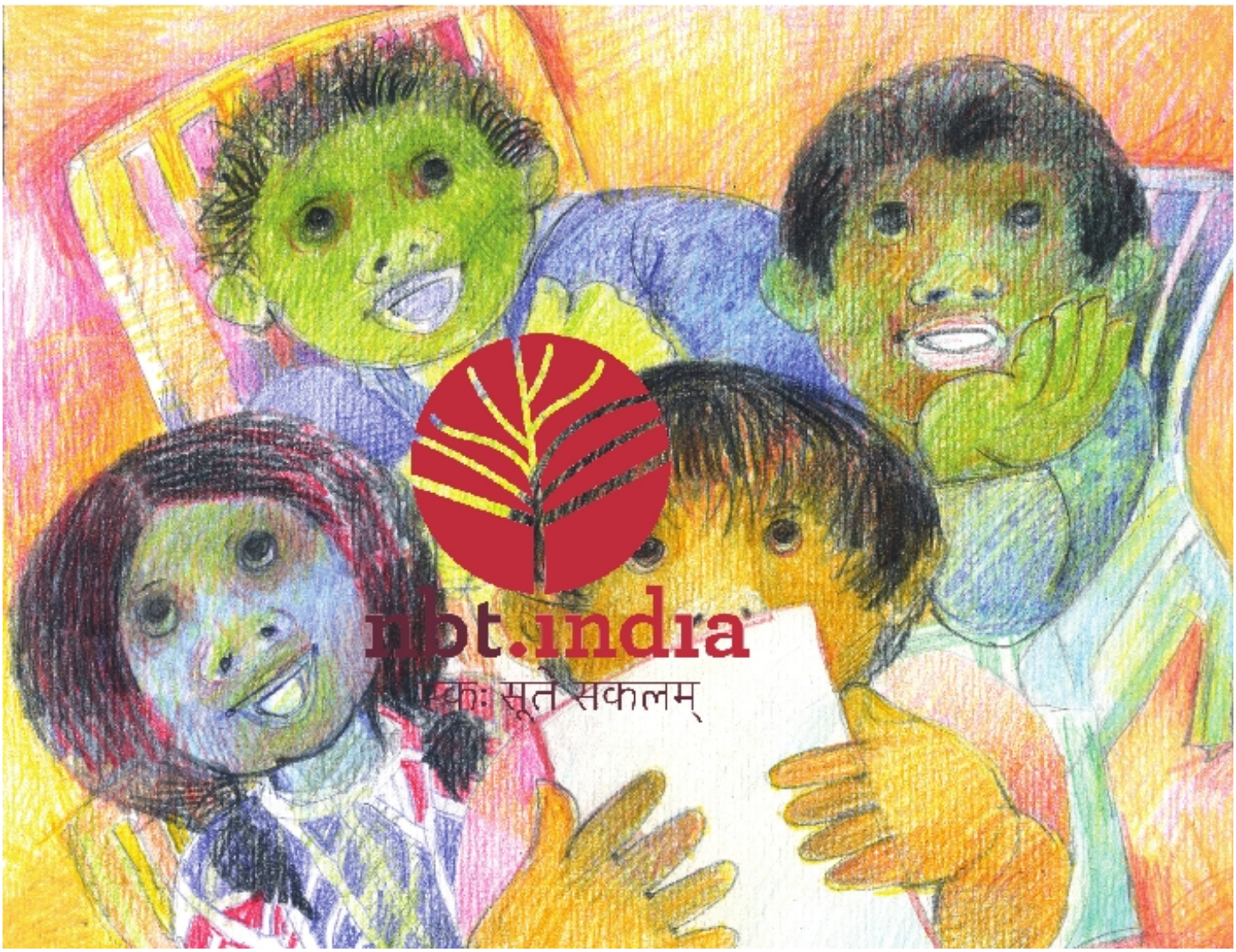
nbt.india
एकः सूते सकलम्

छक्कम छक्कम छक्कम रेल

छक्कम छक्कम छ[illegible]
धक्कम धक्कम [illegible]
इंजन इसको [illegible]
बिना टिकट [illegible]

दुल्हन सी यह [illegible]
सौ सौ देखो बल ख[illegible]

पर्वत घाटी मैदानों में।
लांघ पुलों पर गर्राती है॥

इसने सबको अपना माना।
ऊंच नीच का भेद न जाना॥

सब को सब के घर पहुंचाना।
अपना बदले रोज ठिकाना॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

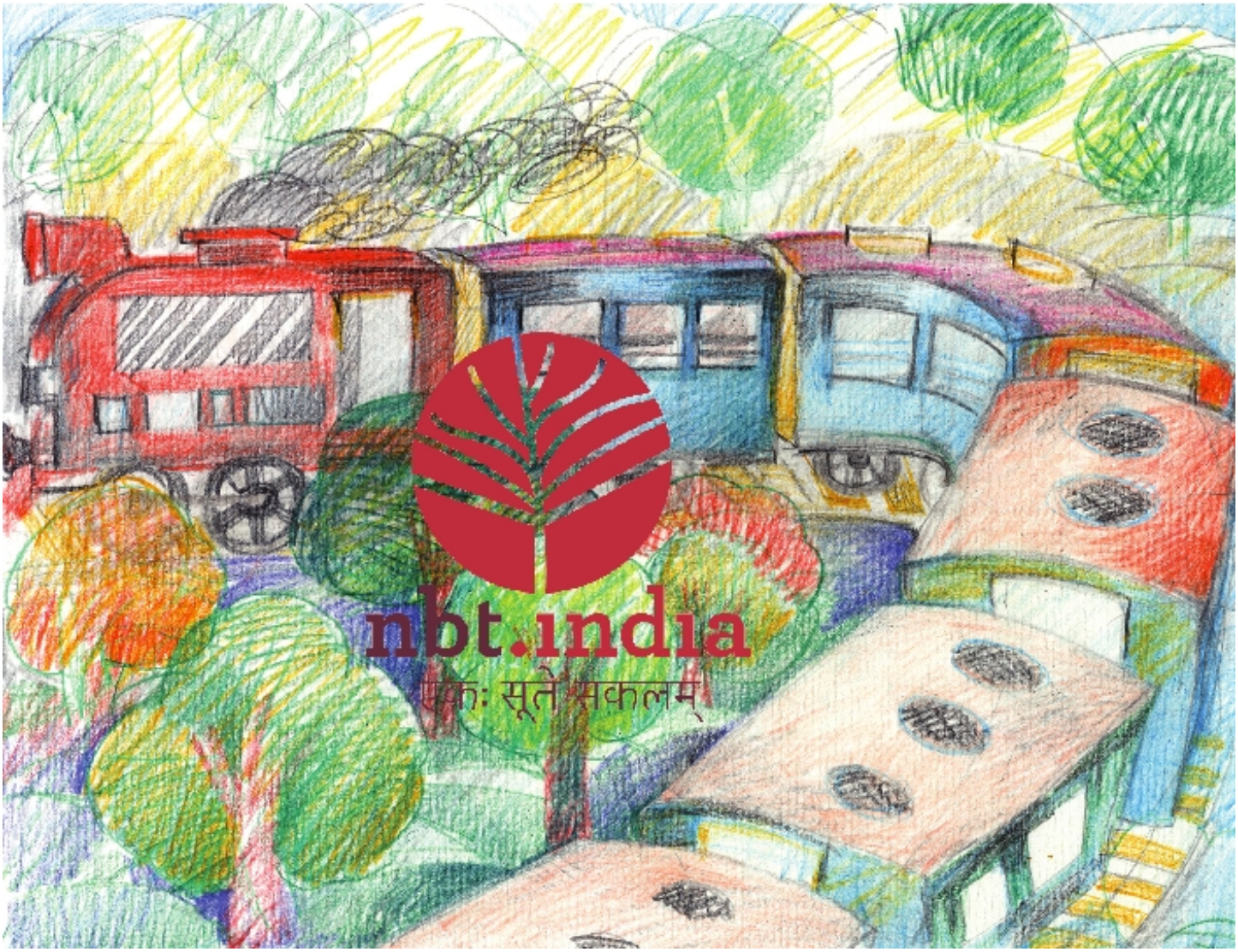
nbt.india
एकः सूते सकलम्

मंटू

नए नए मैं लाई [illegible]
चला है मंटू [illegible]

बस्ते में है [illegible]
कापी एक [illegible]

केला सेब [illegible]
मेरा बेटा किस्म[illegible] ॥

बड़ा बनेगा पढ़ लिखकर।
साहसी होगा और निडर ॥

नैतिक गुण उसमें हैं भरने।
भेजूंगी सीमा पर लड़ने ॥

कष्ट हरे यह जन जन के।
फूल खिलेंगे हर मन के ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

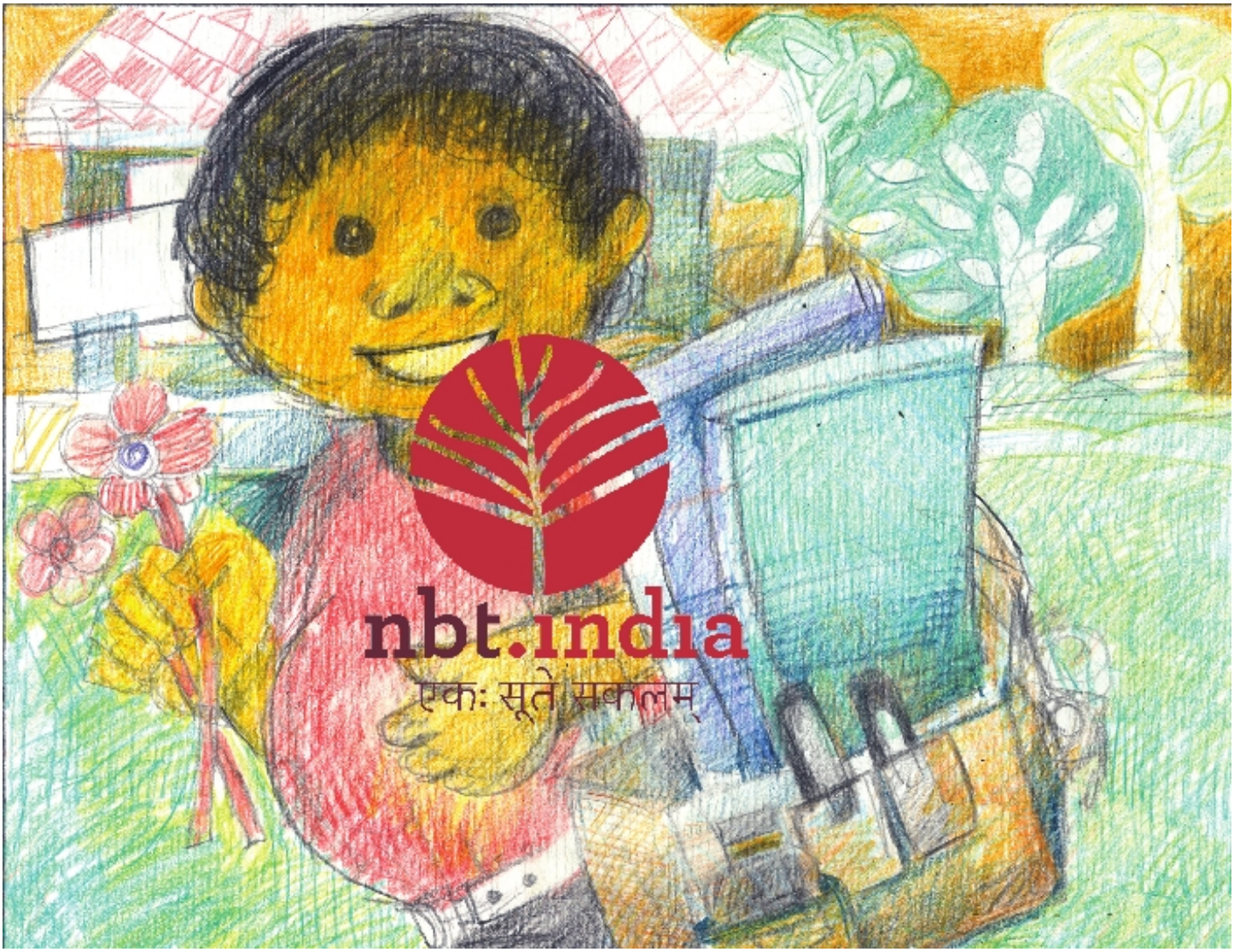
nbt.india
एकः सूते सकलम्

आई बस

पौं पौं करती आई [illegible]
सवार लोग हैं [illegible]

चालक इसका भला बड़ा।
बस को ठीक से करे खड़ा॥

पर्वत टीले च[illegible]
हाथ दिए झ[illegible] रुक [illegible]

बच्चे झूमें नाचें गाएं।
धम-धम करते चढ़ते जाएं॥

रंग है इसका ला[illegible]
छत पर खूब [illegible]मान चढ़ा॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india

होली है होली

रंग उड़ाती धूम म[illegible]
बच्चों की आ[illegible] ॥
नाचेंगे हम [illegible]
रंगों का त्य[illegible] ॥

रंग बिरंगे रं[illegible]
गूंज रही होली क[illegible] ॥
बीनू, मीन, [illegible]ला, बिमला।
भर गु[illegible] [illegible]ली।

टींकू घर से बाहर आया।
रंग भरी चिपकारी खोली ॥
नीले पीले मुंह देखकर।
सब कहते होली है होली ॥

आपस के सब बैर भुलाकर।
गले लगाओ कहती होली ॥
एक रहे हैं एक रहेंगे।
[illegible]की गाती है टोली ॥

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

इनफिनिटी एडवरटाईजिंग सर्विसेज, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित

nbt.india
एकः सूते सकलम्

ISBN 978-81-237-5586-1
पहला संस्करण : 2009
छठी आवृत्ति : 2019 (*शक 1941*)
© प्रत्यूष गुलेरी
Balgeet (*Hindi Original*)
₹ 70.00
निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित
www.nbtindia.gov.in

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्